ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 31 मार्च 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 311

ट्रम्प ने हाथ खींचे बोला- 'खुद संभलो', होर्मुज पर डबल खतरा-तेल के साथ इंटरनेट पर भी संकट

24 न्यूज अपडेट

वॉशिंगटन/तेहरान। डोनाल्ड ट्रम्प के सख्त रुख और ईरान पर अमेरिकी कार्रवाई के बीच वैश्विक हालात और तनावपूर्ण हो गए हैं। ट्रम्प ने साफ कहा है कि अब अमेरिका हर देश की मदद के लिए आगे नहीं आएगा—हर राष्ट्र को अपने हालात खुद संभालने होंगे। सोशल मीडिया पर जारी बयान में ट्रम्प ने संकेत दिया कि जो देश होर्मुज स्ट्रेट से तेल नहीं ले पा रहे, वे अमेरिका से खरीद करें या खुद जोखिम उठाकर वहां से आपूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अब काफी कमजोर हो चुका है और सबसे कठिन चरण पार हो चुका है। इसी बीच अमेरिका ने ईरान के इस्फहान में एक बड़े हथियार डिपो पर बंकर-बस्टर बमों से हमला किया। हमले के बाद कई धमाके हुए और इलाके में आग के गुबार उठते दिखाई दिए। इस कार्रवाई को ईरान की सैन्य क्षमता कमजोर करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

मध्य पूर्व में कई मोर्चों पर हलचल तनाव के असर अब पूरे क्षेत्र में दिखने लगे हैं। हाइफा में मिसाइल हमले के बाद ऑयल रिफाइनरी में आग लग गई, वहीं बेरूत में विस्थापितों के लिए अस्थायी शिविर बनाए गए हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी संकेत दिए कि रूस और चीन, ईरान की मदद कर रहे हैं, लेकिन अमेरिका उनका मुकाबला कर रहा है। उन्होंने आने वाले दिनों को "निर्णायक" बताया। ट्रम्प ने फ्रांस पर आरोप लगाया कि उसने अमेरिकी सैन्य विमानों को अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने इसे सहयोगी देशों के बीच असहयोग बताते हुए कहा कि अमेरिका इस रवैये को याद रखेगा।

होर्मुज स्ट्रेटः अब सिर्फ तेल नहीं, इंटरनेट पर भी खतरा

ईरान-इजराइल टकराव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक संकट का केंद्र बन गया है। यह क्षेत्र पहले से ही दुनिया की करीब 20% कच्चे तेल और 25% LNG आपूर्ति का मुख्य मार्ग है, लेकिन अब एक और बड़ा खतरा सामने आया है—इंटरनेट ठप होने का। विशेषज्ञों के अनुसार, इस रूट के नीचे अंतरराष्ट्रीय फाइबर ऑप्टिक केबल्स बिछी हैं, जिनसे दुनिया का करीब 95 से 97% डेटा ट्रांसफर होता है। यदि तनाव बढ़ता है या ये केबल्स क्षतिग्रस्त होती हैं, तो वैश्विक इंटरनेट सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं। SEA-ME-WE, AAE-1 और EIG जैसे प्रमुख केबल सिस्टम इसी क्षेत्र से होकर गुजरते हैं, जो भारत को यूरोप, अफ्रीका और पश्चिम एशिया से जोड़ते हैं।

भारत पर सीधा असर क्यों?

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था इन समुद्री केबल नेटवर्क पर काफी निर्भर है। देश का अधिकांश अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट ट्रैफिक अरब सागर और खाड़ी क्षेत्र से होकर गुजरता है। लेटेंसी बढ़ेगीः केबल क्षतिग्रस्त होने पर डेटा को लंबा रास्ता (पैसिफिक रूट) लेना पड़ेगा, जिससे स्पीड घटेगी। इंटरनेट स्लो होगाः वीडियो स्ट्रीमिंग, सोशल मीडिया और वीडियो कॉलिंग प्रभावित हो सकती है। आईटी सेक्टर पर असरः करीब 250 बिलियन डॉलर (23.48 लाख करोड़ रुपए) के भारतीय आईटी सेक्टर को बड़ा झटका लग सकता है। बैंकिंग व रेमिटेंस प्रभावितः SWIFT ट्रांजेक्शन और खाड़ी देशों से आने वाला पैसा भी धीमा पड़ सकता है। होर्मुज अब सिर्फ "एनर्जी चोकपॉइंट" नहीं रहा, बल्कि "डिजिटल चोकपॉइंट" भी बन चुका है। तेल आपूर्ति में बाधा और इंटरनेट नेटवर्क पर खतरे ने इस क्षेत्र को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सबसे संवेदनशील बिंदु बना दिया है।

भारत समेत दुनियाभर में इंटरनेट ठप होने का खतराःजंग से होर्मुज में बिछीं केबल्स को नुकसान की आशंका; समुद्र में 97% ग्लोबल डेटा

24 न्यूज अपडेट

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज प्रभावित होने से दुनियाभर में एनर्जी क्राइसिस के बाद अब इंटरनेट ठप होने का खतरा है। इसकी वजह यह है कि होर्मुज रूट से न केवल दुनिया का 20% कच्चा तेल और 25% LNG गुजरती है, बल्कि इस रास्ते के नीचे इंटरनेट केबल्स भी बिछीं हैं।

अगर इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है या केबल्स को नुकसान पहुंचता है, तो भारत समेत पूरी दुनिया में इंटरनेट की स्पीड स्लो हो सकती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह इलाका सिर्फ एनर्जी चोकपॉइंट नहीं, बल्कि एक डिजिटल चोकपॉइंट भी है।

समुद्र के नीचे से गुजरता है 97% ग्लोबल डेटा

अक्सर लोगों को लगता है कि इंटरनेट सैटेलाइट के जरिए चलता है, लेकिन हकीकत अलग है। दुनिया का करीब 95 से 97% डेटा फाइबर ऑप्टिक केबल्स के जरिए ट्रांसफर होता है।

ये केबल्स समुद्र के नीचे बिछी होती हैं। भारत को यूरोप, अफ्रीका और पश्चिम एशिया से जोड़ने वाली मुख्य केबल्स इसी रूट के पास से गुजरती हैं। इसमें SEA-ME-WE, AAE-1 और EIG जैसे बड़े केबल सिस्टम शामिल हैं।

शादी से लौट रहे युवक की तलवारों से हत्या, गिरफ्तारी की मांग पर अड़े परिजन-गांव में तनाव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पाटिया थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक युवक की तलवारों से हमला कर हत्या कर दी गई। वारदात उस समय हुई जब युवक अपने चचेरे भाई की शादी समारोह से स्कूटी पर घर लौट रहा था। घटना खेड़ाघाटी, बलीचा क्षेत्र की है, जहां रात करीब 2 बजे 6-7 बदमाशों ने युवक को घेरकर उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को खेरवाड़ा अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। मृतक की पहचान नीलेश गरासिया (35) पुत्र लालजी के रूप में हुई है, जो अहमदाबाद में बिल्डिंग ठेकेदारी का कार्य करता था और पारिवारिक शादी में शामिल होने के लिए गांव आया हुआ था।

गिरफ्तारी तक अंतिम संस्कार से इनकार

घटना के बाद परिजन और ग्रामीण आरोपियों की गिरफ्तारी व मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन पर उतर आए। परिजनों ने स्पष्ट किया कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक पोस्टमॉर्टम और अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे से राजीव राहर सहित पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से समझाइश के कई प्रयास किए। पुलिस की दो अलग-अलग टीमों ने तीन दौर की वार्ता की, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। शाम 6:30 बजे तक गतिरोध बना रहा, जिसके बाद लोग अपने-अपने घर लौट गए। अब बुधवार को फिर से वार्ता प्रस्तावित है।

शादी से लौटते वक्त घात लगाकर हमला

जानकारी के अनुसार, नीलेश अपने चचेरे भाई नरेश गरासिया के साथ शादी समारोह से लौट रहा था। जैसे ही दोनों कार्यक्रम स्थल से निकले, बदमाशों ने उनका पीछा किया और सुनसान जगह पर स्कूटी रुकवाकर हमला कर दिया। हमलावरों ने पहले नीलेश के हाथ पर तलवार से वार किया, इसके बाद गर्दन और कमर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान नरेश किसी तरह जान बचाकर भाग निकला और परिजनों को सूचना दी। कुछ देर बाद जब लोग मौके पर पहुंचे, तब तक नीलेश खून से लथपथ हालत में मृत पड़ा था। प्रत्यक्षदर्शी नरेश के अनुसार, हमलावरों में अनिल, विपिन, जयदीप, बद्री, हितेश सहित अन्य शामिल थे। इनमें से कई आरोपी पहले से ही शादी समारोह में मौजूद थे और बाहर निकलने का इंतजार कर रहे थे, जबकि कुछ पहले से ही रास्ते में घात लगाए खड़े थे। प्राथमिक जानकारी में सामने आया है कि मृतक और आरोपियों के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी, जो इस वारदात का कारण बनी।

ड्राई डे पर शराब बेचता पकड़ा गया सरकारी शिक्षक, भारी स्टॉक जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। महावीर जयंती के अवसर पर घोषित ड्राई डे के बीच एक सरकारी शिक्षक को अवैध रूप से शराब बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। प्रशासनिक प्रतिबंध के बावजूद आरोपी ने पहले से शराब और बीयर का बड़ा भंडारण कर रखा था, जिसे वह अधिक कीमत पर खपाने की तैयारी में था। कार्रवाई मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे मांडवा थाना क्षेत्र के बिकरणी कस्बे में की गई। पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने मांडवा के छापर निवासी अजित कुमार को गिरफ्तार किया, जो राजकीय प्राथमिक विद्यालय छापर में पदस्थापित शिक्षक है।

मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी आबकारी विभाग की गोगुंदा टीम को सूचना मिली थी कि देवला-बेकरिया क्षेत्र में कुछ लोग ड्राई डे का फायदा उठाने के लिए अवैध शराब का स्टॉक जमा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम ने इलाके में निगरानी बढ़ाई और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए घेराबंदी की। टीम ने सुलाव-कागवास रोड स्थित बिकरणी तिराहे पर दबिश दी, जहां एक व्यक्ति को शराब की खेप के साथ संदिग्ध हालत में पकड़ा गया। पूछताछ में उसकी पहचान अजित कुमार के रूप में हुई।

मौके से भारी मात्रा में शराब-बीयर जब्त

जांच के दौरान आरोपी के कब्जे से बड़ी मात्रा में शराब और बीयर बरामद कर जब्त की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह पूरा स्टॉक ड्राई डे के दौरान ऊंचे दामों पर बेचने के उद्देश्य से इकट्ठा किया गया था। आबकारी विभाग ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ जारी है कि उसने यह शराब कहां से जुटाई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं।

टोल प्लाजा पर कल से नगद भुगतान नहीं होगाःटैक्स बचाने के लिए आज आखिरी दिन, 4 जरूरी काम निपटाएं, 1 अप्रैल से बदलेंगे नियम

24 न्यूज अपडेट

कल यानी 1 अप्रैल से देश के सभी टोल प्लाजा पर नगद भुगतान बंद हो जाएगा। वाहन चालक सिर्फ फास्टैग या UPI पेमेंट के जरिए ही टोल टैक्स चुका सकेंगे।

इसके अलावा, आज रात 12 बजे के बाद देश में टैक्स और बैंकिंग से जुड़े 3 बड़े कामों की डेडलाइन खत्म हो रही है। कल से टैक्स, रेलवे और बाजार से जुड़े 10 नियम भी बदल जाएंगे।

1. सरकारी स्कीम्स एक्टिव रखें: PPF, NPS और सुकन्या में डालें मिनिमम बैलेंस

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF), नेशनल पेंशन स्कीम (NPS) या सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) को चालू रखने के लिए हर साल 250 से 500 तक न्यूनतम राशि जमा करना अनिवार्य है। अगर खाता बंद हो गया तो चालू कराने के लिए पेनाल्टी लगेगी और बैंक के चक्कर काटने होंगे।

2. पुरानी टैक्स रिजीम में सेविंग का मौकाः 80C और 80D के तहत निवेश करें

पुरानी टैक्स रिजीम में टैक्स बचाने के लिए निवेश करने का कल आखिरी दिन है। सेक्शन 80C के तहत 1.5 लाख तक की छूट पाने के लिए आप PPF, लाइफ इंश्योरेंस में निवेश कर सकते हैं।

इसके अलावा, 80D के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम और मेडिकल खर्चों पर 1 लाख तक की छूट मिलती है। 1 अप्रैल या उसके बाद किया गया निवेश अगले साल के खाते में गिना जाएगा।

3. सैलरी क्लास के लिए जरूरीः ऑफिस में जमा करें इन्वेस्टमेंट प्रूफ

अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो आपको अपने ऑफिस में इन्वेस्टमेंट प्रूफ जमा करने होंगे। इसमें घर के किराए की रसीदें, बीमा प्रीमियम की रसीद, होम लोन के ब्याज का सर्टिफिकेट शामिल हैं।

अगर आप ये डॉक्यूमेंट्स समय पर नहीं देते हैं, तो कंपनी आपकी आखिरी सैलरी से ज्यादा TDS काट लेगी। इसे वापस पाने के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने तक का इंतजार करना होगा।

4. टोल प्लाजा पर कल से नकद भुगतान बंदः सिर्फ फास्टैग या UPI से पेमेंट

अगर आपके पास गाड़ी है तो आज ही अपनी गाड़ी में फास्टैग अकाउंट एक्टिव कर लें। फास्टैग का उपयोग नहीं करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आपके स्मार्टफोन में UPI पेमेंट की सुविधा चालू हो।

कल से बिना डिजिटल पेमेंट के टोल प्लाजा पर पहुंचने पर आपको जुर्माना देना पड़ सकता है या लौटाया जा सकता है। क्योंकि, सभी टोल पर सिर्फ फास्टैग या UPI से ही टैक्स चुका सकेंगे।

पति ने कर ली अमेरिका में दूसरी शादी, हाईकोर्ट बोला-ससुराल पक्ष के विदेश जाने पर रोक, गुजारा भत्ता दो

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। वैवाहिक विवाद और घरेलू हिंसा से जुड़े एक मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने अहम हस्तक्षेप करते हुए ससुराल पक्ष को सशर्त अग्रिम जमानत दी है। अदालत ने साथ ही चारों आरोपियों—सास, ससुर, ननद और देवर—के विदेश जाने पर रोक लगा दी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश खैरथल के महिला थाने में दर्ज प्रताड़ना के मामले की सुनवाई के दौरान पारित किया।

30 हजार मासिक भत्ता और बच्ची के नाम एफडी का आदेश

कोर्ट ने ससुराल पक्ष को निर्देश दिया है कि वे पीड़िता और उसकी दो वर्षीय बेटी के भरण-पोषण के लिए प्रतिमाह 30 हजार रुपए देंगे। यह राशि हर महीने की दो तारीख तक महिला के बैंक खाते में जमा करानी होगी, जिसकी शुरुआत अप्रैल से की जाएगी। इसके अलावा अदालत ने नाबालिग बच्ची के नाम 10 लाख रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) कराने का भी आदेश दिया है, जिसे बिना न्यायालय की अनुमति के भुनाया नहीं जा सकेगा। सुनवाई के दौरान महिला स्वयं कोर्ट में उपस्थित हुई और बताया कि उसका विवाह 17 जनवरी 2022 को हुआ था। विवाह के बाद एक बेटी का जन्म हुआ, जिसकी वर्तमान उम्र दो वर्ष है। महिला ने आरोप लगाया कि शादी के कुछ समय बाद ही उसका पति अमेरिका चला गया और वहां दूसरी शादी कर ली। उसका भारत लौटने का कोई इरादा नहीं है, बल्कि वह अपने परिवार को भी अमेरिका बुलाने की कोशिश कर रहा है। पीड़िता का कहना है कि यदि ससुराल पक्ष भी विदेश चला जाता है, तो उसके और उसकी बच्ची के भरण-पोषण की स्थिति और अधिक गंभीर हो जाएगी। लगातार प्रताड़ना और मानसिक उत्पीड़न से परेशान होकर उसने मामला दर्ज कराया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मामला वैवाहिक विवाद से जुड़ा है, इसलिए इसमें मध्यस्थता और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। जांच में सहयोग अनिवार्य, बिना अनुमति विदेश यात्रा पर रोक कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि ससुराल पक्ष के सभी आरोपी जांच अधिकारी के बुलाने पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होंगे और जांच में सहयोग करेंगे। साथ ही चारों आरोपियों को बिना न्यायालय की अनुमति के देश छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। यह आदेश ऐसे मामलों में न्यायालय के संतुलित रुख को दर्शाता है, जहां एक ओर आरोपियों को राहत दी गई है, वहीं पीड़िता और नाबालिग बच्ची के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

संपादकीय : बुजुर्गों की सुध

देश में बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षा एक गंभीर सामाजिक समस्या बनती जा रही है। गांवों से शहरों की ओर पलायन, संयुक्त परिवारों का टूटना और तेजी से बदलती जीवनशैली के कारण बुजुर्गों की देखभाल नहीं करने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। कई दफा माता-पिता को उम्र के आखिरी पड़ाव पर या तो अकेले रहना पड़ता है या फिर किसी वृद्धाश्रम की शरण लेने को मजबूर होना पड़ता है। हालांकि, कानून में बुजुर्गों की देखभाल के लिए सख्त प्रावधान मौजूद हैं, इसके बावजूद उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कारण स्पष्ट है कि कुछ वरिष्ठ नागरिक अपने कानूनी अधिकारों को लेकर जागरूक नहीं हैं, तो कुछ शारीरिक और आर्थिक दिक्कतों की वजह से कानून की मदद नहीं ले पाते हैं। ऐसे में तेलंगाना सरकार की ओर से वरिष्ठ नागरिकों को वित्तीय सुरक्षा मुहैया कराने की पहल से एक नई उम्मीद जगी है। राज्य विधानसभा में रविवार को एक ऐसा विधेयक पारित किया गया, जिसमें सरकारी एवं निजी कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने का प्रावधान है। हालांकि, देश में पहले से ही राष्ट्रीय कानून- 'माता- पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 मौजूद है, मगर बुजगों की देखभाल के मामले में जमीनी स्तर पर इसका प्रभावी असर नजर नहीं आता है। कई बार कानूनी प्रक्रिया इतनी जटिल और उलझाऊ हो जाती है कि बुजुर्ग अपने कदम पीछे खींच लेते हैं। ऐसे में तेलंगाना विधानसभा में पारित 'कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक- 2026' को कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। इस विधेयक के अनुसार, राज्य के जनप्रतिनिधियों तथा सरकारी एवं निजी कर्मचारियों के लिए अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करना अनिवार्य है। इसका अनुपालन न करने पर उनके वेतन में पंद्रह फीसद या दस हजार रुपए, जो भी कम हो, माता-पिता को देय राशि के रूप में कटौती की जाएगी। इस विधेयक का मकसद कर्मचारियों में नैतिक मूल्यों का संचार करना और पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर प्रतिबद्ध बनाने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह बात छिपी नहीं है कि बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल का मसला सड़क से लेकर संसद तक उठता रहा है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर इसका कोई प्रभावी एवं कारगर समाधान नहीं निकल पाया है। हाल में राज्यसभा में यह मुद्दा उठाते हुए मांग की गई कि विदेश में रह रहे ऐसे भारतीय नागरिकों के पासपोर्ट रद्द कर देने चाहिए, जो देश में रह रहे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भले ही अभी ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है, लेकिन तेलंगाना सरकार ने जो पहल की है, वह दूसरों राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक है । इस कानून के लागू होने के बाद राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को कानूनी प्रक्रिया में उलझने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर बुजुर्ग माता-पिता सरकारी सेवा में कार्यरत अपनी संतान के खिलाफ शिकायत करते हैं और वह सही पाई जाती है, तो संबंधित कर्मी के वेतन से तय राशि काटकर माता-पिता को दे दी जाएगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि दूसरे राज्यों में भी बुजुगों की देखभाल को लेकर कानूनी तौर पर इस तरह के कदम उठाए जाएंगे, ताकि उनकी वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मुफ्त की रेवड़ियां

चुनाव की आहट महसूस होते ही सत्तासीन और विपक्षी दलों की ओर से मतदाताओं को लुभाने के लिए घोषणाओं का दौर शुरू हो जाता है। इस दौरान मुफ्त की से पूर्व रेवड़ियां बांटने का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है, जब बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं के खाते में दस-दस हजार रुपए भेजे थे। इसी तरह अब पंजाब सरकार ने 'मुख्यमंत्री मावां- धीयां सत्कार योजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए और अनुसूचित जाति की महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए मिलेंगे। यह आम आदमी पार्टी का वर्ष 2022 के चुनाव किया गया प्रमुख वादा था, जिसे अब अगले चुनाव से एक साल पहले लागू किया जा रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या राज्य सरकार ने अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर महिलाओं को यह मुफ्त की सौगात दी है ? गौरतलब है कि देश भर में चुनावों से ठीक पहले सरकारी योजनाओं को अमली जामा पहना कर मतदाताओं को लुभाने के लिए जिस तरह से प्रयास होते हैं, उस पर प्रायः सवाल उठते रहे हैं। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की इस प्रवृत्ति से राज्यों के खजाने पर असर पड़ता है। इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी पिछले माह कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा था कि कई राज्य सरकारें कर्ज में डूबी हैं, फिर भी वे मुफ्त की सौगात बांट रही हैं। इसमें दोराय नहीं कि नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं देना सरकार का कर्तव्य है, मगर चुनावी लाभ के लिए मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की जो होड़ लगी है, उसका नुकसान अंततः राज्यों को ही उठना पड़ता है। विकास की योजनाओं पर खर्च होने वाली राशि का एक बड़ा हिस्सा चुनावी घोषणाओं को लागू करने में निकल जाता है। अहम सवाल यह है कि चुनाव से पहले ही इस तरह की योजनाएं क्यों लागू की जाती हैं? जबकि कायदे से नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने की दिशा में काम किया जाना चाहिए।

श्रमण भगवान महावीर स्वामी के जयकारों से गूंज उठी लेकसिटी, शोभायात्रा में गूंजे त्रिशला नंदन भगवान महावीर के जयकारे

फोटो-ऋषभ जैन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 31 मार्च। सकल जैन समाज उदयपुर की प्रतिनिधि संस्था महावीर जैन परिषद के तत्वावधान में जैन समाज के 24वें तीर्थंकर श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव पर भव्य शोभायात्रा एवं दूपहिया विशाल वाहन रैली का आयोजन मंगलवार को धूमधाम से हुआ। जैसे ही शोभायात्रा नगर निगम प्रांगण से रवाना हुई भगवान महावीर स्वामी के जयकारें से पुरा नगर निगम प्रांगण गुंज उठा। शोभायात्रा का एक छोर नगर निगम प्रांगण में था तो दूसरा छोर मोचीवाड़ा पहुंच चुका था। ऐतिहासिक शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण भगवान महावीर के सिद्धान्तों एवं कतृव्यों पर विभिन्न संगठनों द्वारा बनाई गई 21 झांकियां रही। शोभायात्रा में अहिंसा का संदेश देते हुए पैदल चलते हुए एकता का संदेश देते हुए जैन समाज के अनैकों संगठन शामिल हुए। युवक-युवतियों द्वारा 1877 से अधिक दुपहिया भव्य वाहन रैली निकाली गई जो अपने आप में नया इतिहास रचने वाली थी। शोभायात्रा में सभी पुरुष श्वेत परिधान एवं महिलाएं चुदड़ में तीन-तीन की कतार में भगवान के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में सकल जैन समाज के हजारों श्रावक-श्राविकाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं विभिन्न झांकियों के माध्यम से अहिंसा का संदेश देते हुए पूरे शहर में विशाल शोभायात्रा निकाली।

महावीर जैन परिषद के मुख्य संयोजक राजकुमार फत्तावत ने बताया कि 31 मार्च मंगलवार को प्रातः 8.30 बजे नगर निगम प्रांगण से महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव की भव्य शोभायात्रा समाज सेवी व श्री दिगम्बर जैन ग्लोबल महासभा के अध्यक्ष जमनालाल लक्ष्मी देवी हपावत परिवार के झण्डारोहण से प्रारंभ हुई। ध्वजारोहण समारोह में शहर विधायक ताराचंद जैन, भारतवर्षीय 18000 दशा हुमड़ दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष दिनेश खोड़निया, महावीर जैन परिषद के पूर्व संयोजक देवेन्द्र छाप्या, सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत, नाकोड़ा पार्श्वनाथ ज्योतिष संस्थान के कांतिलाल जैन, समाजसेवी सुरेश गुन्देचा, सकल जैन समाज के अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत, कोषाध्यक्ष कुलदीप नाहर, यशवंत आंचलिया, नरेन्द्र सिंघवी बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों को मेवाड़ परम्परा अनुसार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

फत्तावत ने बताया कि शोभायात्रा नगर निगम प्रांगण से प्रारंभ हुई जो जो सूरजपोल, बापूबाजार, देहलीगेट, भोपालवाडी, मोचीवाड़ा, सिंधी बाजार, मुखर्जी चौक, मार्शल चौराहा, सूरजपोल होते हुए पुनः नगर निगम प्रांगण में पहुंची। जैसे जैसे 1877 से अधिक दुपहिया वाहनों पर युवा तरूणाई दोनों हाथों में जैन ध्वज लिए शोभायात्रा में आगे बढ़े भगवान महावीर स्वामी के जयकारे एवं जैन धर्म के तीर्थंकरों के जयकारे लगाते हुए पूरे वातावरण को महावीरमय बना दिया। शोभायात्रा में युवा टीम ने वॉकी-टॉकी के माध्यम से मार्ग व्यवस्था को सम्भाला। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण 11 घोड़े, 333 फीट लम्बा विशाल जैन ध्वज अपनी अनूठी छटा बिखेर रहा था। उसके पीछे 11 बैण्ड, 21 स्केटिंग वाले बच्चें, 1877 दुपहिया वाहन, 21 झांकियां, रथ, सप्त किरण रथ आदि मुख्य होंगे। शोभायात्रा में हजारों जैन धर्मावलम्बी पुरुष श्वेत परिधान एवं महिला चुन्दड़ी में अपनी अगल छटा बिखेर रहे थे। शोभायात्रा के मार्ग में अनेक स्वागत द्वार एवं 31 से अधिक स्थानों पर प्रभावना के काउंटर लगे। सबसे पीछे सफाई रथ भी व्यवस्था की दृष्टि से चलता रहा जो मार्ग में प्रभावना के बाद बिखरा कचरा साफ करते चल रहा था। शोभायात्रा के समापन पर नगर निगम प्रांगण में श्री खण्डेलवाल दिगम्बर जैन संस्थान चित्रकूट नगर की ओर से शीतल ठण्डाई और मीनाक्षी प्रॉपर्टी के शांतिलाल वेलावत व अरिहंत ग्रुप/श्रीजी डवलपर्स के सुरेश गुंदेचा परिवार की ओर से प्रभावना वितरित की गई।

शोभायात्रा के संयोजक सुधीर चित्तौड़ा व अरूण मेहता ने बताया कि शोभायात्रा का संचालन जैन जागृति सेन्टर उदयपुर द्वारा किया गया। शोभायात्रा के प्रारम्भ में एक एस्कॉर्ट जीप जो रूट क्लीयर करते हुए चल रही थी जिसमें चार बच्चे मिलिट्री ड्रेस में देशभक्ति का संदेश दे रहे थे। उसके बाद १८७७ से अधिक दूपहिया वाहन पर हजारों युवा तरूणाई हाथों में जैन ध्वज लेकर शोभायात्रा में शामिल हुए तो मानो उदयपुर की सड़कों पर महावीर स्वामी के जन्मोत्सव के गुणगान से महक उठी। उसके 11 घोड़ों पर सवार केसरिया साफा पहने युवतियां चल रही थी। 333 फीट लम्बा विशाल जैन ध्वज, उसके पश्चता खुली जीप में जैन प्रतीक, जैन भजनों से स्वर लहरियां बिखेरता बैंड, पावा पुरी रथ, सप्तकिरण रथ, चल रहा था। इसके पश्चात विभिन्न विषयों पर बनाई गई 21 झांकियां, उसके बाद विभिन्न विद्यालय के बच्चे, झांकियां व बैंड, उसके बाद सप्त किरण रथ चला। उसके बाद जैन समाज के विभिन्न समाज व संगठनों के हजारों श्रावक-श्राविकाएं, उनकी झांकियां और समाज के बैंण्ड चले।

महामंत्री ललित कोठारी ने बताया कि जैन जागृति सेन्टर के 70 से अधिक कार्यकर्ता शोभायात्रा का संचालन कर रहे थे। शोभायात्रा में 41 स्केटिंग करते बच्चों ने देश भक्ति व जैन गीतों पर मार्ग में जगह-जगह स्केटिंग के साथ नृत्य प्रस्तुत किया जो उदयपुर के इतिहास में पहली बार हुआ।

वाहन रैली में शामिल हुए 1877 से अधिक दूपहिया वाहन

भारतीय जैन संघटना के अध्यक्ष दीपक सिंघवी, यूथ विंग के अध्यक्ष भाविक पोखरना बताया कि श्रमण भगवान महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक महोत्सव पर सकल जैन समाज के युवा साथियों की ओर से विशाल दूपहिया वाहन रैली निकाली जिसमें 1877 से अधिक दूपहिया वाहनों पर युवा तरूणाई दोनों हाथों में जैन ध्वज लिए शोभायात्रा में आगे बढ़ते हुए भगवान महावीर स्वामी के जयकारे एवं जैन धर्म के तीर्थंकरों के जयकारे लगाते हुए पूरे वातावरण को गुंजायमान कर दिया। वाहन रैली में सम्मिलित सभी युवक-युवतियां सफेद परिधान में तथा केसरिया उपरणा व हाथ का बैंड पहने शोभायात्रा में शामिल हुए जो शहर के मुख्य मार्गों पर शोभायात्रा को चार चांद लगाए नजर आए।

स्वागत द्वारों से हुआ शोभायात्रा का स्वागत

महावीर जैन परिषद के कोषाध्यक्ष कुलदीप नाहर ने बताया कि रविवार को निकली भव्य शोभायात्रा के मार्ग में समाजजनों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा जगह-जगह कई तोरण द्वार एवं पुष्पवृष्टि कर शोभायात्रा एवं वाहन रैली का स्वागत किया। वहीं विभिन्न समाजजनों एवं संगठनों द्वारा 31 स्थानों पर ठंडाई, आइसक्रीम, कुल्फी, शिकंजी, पानी, केरी पानी, छाछ, फ्रूट आदि प्रभावना वितरित की गई। शोभायात्रा के समापन पर नगर निगम प्रांगण में खण्डेलवाल दिगम्बर समाज द्वारा ठण्डाई वितरित की गई।

बीजेएस के सदस्यों ने संभाली प्रभावना जिम्मेदारी

भारतीय जैन संघटना उदयपुर के कार्यकारी अध्यक्ष भूपेन्द्र गजावत एवं महामंत्री जितेन्द्र सिसोदिया ने बताया कि महावीर जयंती पर निकलने वाली शोभायात्रा के समापन पर मीनाक्षी प्रॉपर्टी के शांतिलाल वेलावत व अरिहंत ग्रुप/श्रीजी डवलपर्स के सुरेश गुंदेचा परिवार के सहयोग सभी धर्मावलंबियों को प्रभावना वितरित की गई। प्रभावना वितरण का कार्य भारतीय जैन संघटना के 51 से अधिक महिला व पुरुष सदस्यों ने सम्पूर्ण जिम्मेदारी निभाई। वहीं जेजेसी परिवार के 70 महिला व पुरुष सदस्य अलग-अलग टूकडियों में विभाजित होकर शोभायात्रा का संचालन किया। पूरे मार्ग में एस्कॉर्ट एवं अन्य माध्यमों से रूट क्लीयरेंस करते हुए शोभायात्रा को सही रूप से संचालित किया।

शोभायात्रा में इन विषयों पर रही झांकियां

संयोजिका विजयलक्ष्मी गलूण्डिया ने बताया कि शोभायात्रा में पर्यावरण, स्वच्छ भारत अभियान, भगवान महावीर के सिद्धांत, देश भक्ति, जल संरक्षण, सेवा एवं परोपकार, नशामुक्ती, शाकाहार, सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम, महिला सशक्तिकरण विषय पर आधारित समाज-संगठनों एवं विद्यालयों की 21 झांकियां शामिल हुई। जिसमें दिगम्बर जैन चित्तौड़ा महिला मंडल, कुंथ महिला जागृति मंच बीसा नरसिंहपुरा समाज, वागड़-छप्पन बीसा नरसिंहपुरा समाज, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा उदयपुर, बीसा नागदा जैन समाज, साधु मार्गी जैन संघ, जागृति महिला मण्डल बीसा नागदा समाज, श्री केसरिया जी दसा नरसिंहपुरा मित्र मंडल, जैन जागृति सेन्टर, भारतीय जैन संघटना, श्री महावीर युवा मंच संस्थान, महावीर जैन परिषद उदयपुर, भगवान महावीर के रथ रूपी मंदिर शुद्धिकरण ग्रुप मालदास स्ट्रीट व गुरु सेवा संघ आदिनाथ दिगम्बर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट सेक्टर 11 की झांकियां सम्मिलित हुई।

यह विद्यालय रहे शोभायात्रा में शामिल

जेजेसी कार्यकारी अध्यक्ष नितिन लोढ़ा ने बताया कि शोभायात्रा में अरिहंत गरिमा विकास संस्थान, श्री पार्श्वनाथ जैन बोर्डिंग स्कूल, गुरुकुल स्कूल, श्री महावीर विद्या मंदिर गणेशघाटी, दिगम्बर जैन बालिका स्कूल अग्रवाल जैन विद्यालय के लगभग 1500 से अधिक बच्चे सम्मिलित हुए।

शोभायात्रा में इन समाज-संगठनों की रही सहभागिता

शहर में निकली भव्य शोभायात्रा में जैन नीति नवयुवक मण्डल उदयपुर, श्री वर्धमान स्थानकवासी श्राविका संघ कुम्हारवाड़ा, जैन प्रगति महिला मंच, श्री कुन्थु महिला जागृति मंच (बीसा नरसिंहपुरा), श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट सेक्टर 11, श्री सकल दिगम्बर चित्तौडा समाज, जिनेन्द्र आदिनाथ महिला मंडल देवाली, श्री केसरियाजी मित्र मंडल (दशा नरसिंहपुरा), वागड-छप्पन बीसा नरसिंहपुरा समाज, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा उदयपुर, बाहुबली युवा मंच संस्थान, बीसा नागदा जैन समाज/ जागृति महिला मंडल, साधुमार्गी जैन समाज, श्री अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन नेमिनाथ कॉलोनी सेक्टर 3/शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, श्री पुण्य वागड जैन श्वेताम्बर संघ, श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से.11, सकल जैन समाज सेक्टर 14, जिनवाणी महिला मंडल सवीना, से.14 व शाश्वत धाम डबोक आदि समाज-संगठनों के हजारों श्रावक-श्राविकाओं ने सज-धज कर हिस्सा लिया।

समाज यह बैण्ड रहे शामिल

शोभायात्रा में दिगम्बर जैन बालिका स्कूल, अग्रवाल जैन विद्यालय, गुरुकुल, जैन नीति नवयुवक मण्डल, दिगम्बर जैन बीसा नरसिंह पुरा समाज महिला बैण्ड, केसरिया जी मित्र मण्डल, दिगम्बर बीसा नरसिंहपुरा समाज का बैंड विभिन्न धुनों पर स्वर लहरियां बिखेर रहे थे। इस अवसर पर राजकुमार फत्तावत, यशवंत आंचलिया, नरेन्द्र सिंघवी, विनोद भोजावत, कुलदीप नाहर, देवेन्द्र कच्छारा, लोकेश कोठारी, श्याम नागौरी, महेन्द्र तलेसरा, मनीष गलूंडिया, श्री महावीर युवा मंच संस्थान के अध्यक्ष अशोक कोठारी, महामंत्री विजयलक्ष्मी गलूंडिया, बीजेएस अध्यक्ष दीपक सिंघवी, कार्यकारी अध्यक्ष भूपेन्द्र गजावत, महामंत्री जितेन्द्र सिसोदिया, कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र महात्मा, जेजेसी अध्यक्ष अरूण मेहता, कार्यकारी अध्यक्ष नितिन लोढ़ा, महामंत्री ललित कोठारी, बीजेएस महिला शाखा अध्यक्षा मीना कावडिया, महामंत्री नीतू गजावत, श्री महावीर युवा मंच संस्थान महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा सोनल सिंघवी, महामंत्री प्रिया झगड़ावत, जेजेसी लेडिज विंग अध्यक्षा नीता छाजेड़, महामंत्री रचिता मोगरा सहित सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं आदि मौजूद रहे।

रात 12 बजे लाइन में लगे, 2 बजे कहा—गेट आउट!! होमगार्ड भर्ती में अभ्यर्थियों से हो गया धोखा, नहीं दिया फिजिकल का मौका

रोते हुए मायूस लौटे देशभर से आए अभ्यर्थी, बार—बार अनुरोध पर भी कोई नहीं आया बात करने

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गांधी ग्राउंड में सोमवार को राजस्थान होमगार्ड भर्ती 2023 के फिजिकल परीक्षण के दौरान गंभीर अव्यवस्था सामने आई। विभिन्न जिलों से पहुंचे कैंडिडेट्स को मौके पर यह कहकर बाहर कर दिया गया कि वे अन्य जिले से हैं और यहां फिजिकल में शामिल नहीं हो सकते। उदयपुर का मूल निवास चाहिए। जबकि यह स्थिति तब बनी, जब भर्ती प्रक्रिया के दौरान कैंडिडेट्स ने जब फार्म भरे थे तब किसी को किसी भी जिले से आवेदन करने और अपनी सुविधा के अनुसार जिला चुनने का विकल्प दिया गया था। कैंडिडेट्स ने उसी आधार पर उदयपुर को प्राथमिकता देते हुए आवेदन किया था और उन्हें विधिवत एडमिट कार्ड भी जारी किए गए थे जिन पर उदयपुर में फिजिकल टेस्ट का समय व स्थान आदि बताया गयां

रात से लाइन में लगे, अलसुबह बाहर किया

कैंडिडेट्स ने बताया कि वे रविवार देर रात को उदयपुर पहुंच गए थे। दो दिन तक यहां पर भी तैयारी की। अभ्यर्थी रात 12 बजे से ही मैदान के बाहर लाइन में लग गए। इसके बाद करीब दो बजे जब प्रवेश प्रक्रिया आरंभ हुई तो तब प्रारंभिक स्तर पर कोई आपत्ति नहीं जताई गई। लेकिन बाद में अचानक आयोजकों द्वारा घोषणा की गई कि जो कैंडिडेट होम डिस्ट्रिक्ट याने कि उदयपुर से संबंधित नहीं हैं, वे भर्ती प्रक्रिया से बाहर चले जाएं। फैसले से मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। कैंडिडेट्स ने विरोध किया और अधिकारियों से स्पष्ट आदेश दिखाने की मांग की, लेकिन मौके पर कोई वरिष्ठ अधिकारी सामने नहीं आया।

कैंडिडेट्स का आरोप है कि उन्हें समझाने या सुनवाई करने के बजाय बाहर का रास्ता दिखाया गया। कुछ अभ्यर्थियों ने बताया कि वे घंटों तक बाहर इंतजार करते रहे, लेकिन न तो कोई स्पष्ट सूचना दी गई और न ही वैकल्पिक व्यवस्था बताई गई। टोल-फ्री नंबर, पीसीआर और स्थानीय पुलिस से संपर्क करने के प्रयास भी बेअसर रहे। कैंडिडेट्स को पहले इंतजार करने के लिए कहा गया और बाद में यह सूचना दी गई कि वे वापस लौट जाएं। अंदर से कोई बात नहीं की जाएगी। मौके पर मौजूद हाथीपोल थानाधिकारी राजु देवी व जाप्ते ने परीक्षार्थियों से समझाइश की व स्थिति को बखूबी संभाला।

करीब 150–200 कैंडिडेट प्रभावित

मौके पर मौजूद कैंडिडेट्स ने रोते हुए बताया कि करीब 150 से 200 अभ्यर्थियों को फिजिकल में शामिल होने का अवसर नहीं दिया गया, जबकि कुल मिलाकर लगभग 500 कैंडिडेट के आस पास इस केंद्र पर पहुंचे थे। कोटपुतली-बहरोड़ के सोनू मेहरा, डीडवाना-कुचामण के महिपाल, झुंझुनूं के विनोद कुमार, जयपुर के रामावतार वर्मा, आयुष शर्मा, पीयूष शर्मा और दीपांशु शर्मा तथा आगरा से आए धर्मेंद्र सिंह और उमराव सिंह ने बताया कि उन्होंने फिजिकल के लिए लंबे समय तक तैयारी की थी और पूरी तैयारी के साथ यहां पहुंचे थे। तीन साल की मेहनत पर और घर वालों की गाढ़े पसीने की कमाई पर एक पल में पानी फेर दिया गया। इसके लिए जो भी जिम्मेदार हैं उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए। कैंडिडेट्स का कहना है कि आवेदन प्रक्रिया के दौरान कहीं भी यह शर्त स्पष्ट नहीं की गई थी कि फिजिकल केवल होम डिस्ट्रिक्ट में ही दिया जा सकेगा। इसके बावजूद मौके पर इस आधार पर उन्हें बाहर कर दिया गया, जो पूरी तरह अनुचित है।

एडमिट कार्ड जारी, फिर भी नहीं मिली एंट्री

कैंडिडेट्स ने बताया कि उन्होंने एसएसओ आईडी के माध्यम से होमगार्ड की आधिकारिक वेबसाइट से एडमिट कार्ड डाउनलोड किए थे और उसी के अनुसार निर्धारित तिथि व स्थान पर पहुंचे थे। ऐसे में उन्हें यह विश्वास था कि वे प्रक्रिया का हिस्सा बनेंगे, लेकिन मौके पर उन्हें मौका ही नहीं दिया गया। घटना के बाद कैंडिडेट्स ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि किसी प्रकार की जिला-आधारित शर्त लागू थी, तो इसकी स्पष्ट सूचना पहले दी जानी चाहिए थी, ताकि वे अनावश्यक रूप से समय और संसाधन खर्च कर यहां न आते। घटनाक्रम न केवल भर्ती प्रक्रिया की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर गया बल्कि उन कैंडिडेट्स के साथ हुए अन्याय को भी उजागर करता है, जो निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए यहां पहुंचे थे। अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग इस मामले में क्या स्पष्टीकरण देता है और क्या प्रभावित कैंडिडेट्स को दोबारा अवसर देने पर कोई निर्णय लिया जाता है। या फिर कोर्ट ही कोई फैसला करता है।

शिक्षा मंत्री ने शहीद मेजर मुस्तफा और प्रकाश खटीक की माताओं का लिया आशीर्वाद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 मार्च। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री श्री मदन दिलावर ने उदयपुर प्रवास के दौरान मंगलवार को वीर प्रसूताओं का वंदन किया। बेदला में आयोजित कार्यक्रम में उस वक्त हर आंख नम हो गई और परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा, जब प्रदेश के शिक्षा मंत्री ने राष्ट्र की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों की जननियों का सम्मान किया। शिक्षा मंत्री ने बेदला निवासी शौर्य चक्र विजेता शहीद मेजर मुस्तफा और शहीद प्रकाश खटीक की माताओं का भावपूर्ण सम्मान किया। इस दौरान एक अत्यंत भावुक क्षण तब आया जब मंत्री ने दोनों शहीदों की माताओं के चरण स्पर्श किए और उनके त्याग को नमन करते हुए आशीर्वाद लिया।शिक्षा मंत्री ने कहा कि वीर सपूतों की बदौलत ही देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि एक सैनिक को जन्म देने वाली माँ का स्थान ईश्वर से भी ऊपर है। इन माताओं का त्याग और धैर्य पूरे समाज के लिए प्रेरणापुंजहै।

लेबर कोड के विरोध में सीटू का काला दिवस कल, उदयपुर में काली पट्टी बांधेंगे कार्यकर्ता

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। केंद्र सरकार द्वारा 29 श्रम कानूनों को समाप्त कर चार नए लेबर कोड लागू किए जाने के विरोध में सीटू (CITU) ने 1 अप्रैल को राष्ट्रीय स्तर पर “काला दिवस” मनाने का आह्वान किया है। इसी क्रम में उदयपुर में भी सीटू के कार्यकर्ता अपने-अपने कार्यस्थलों पर बाजू पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराएंगे। सीटू के जिलाध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद राजेश सिंघवी ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 अप्रैल 2026 से प्रस्तावित इन लेबर कोड्स के लागू होने से श्रमिकों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नए प्रावधानों के तहत मजदूरों के लिए यूनियन बनाना कठिन हो जाएगा, वहीं कार्य के घंटों में बढ़ोतरी की आशंका है, जिससे श्रमिकों का जीवन और अधिक दबावपूर्ण हो सकता है। सिंघवी ने आरोप लगाया कि इन श्रम कोड्स के लागू होने से नियोक्ताओं को मजदूरों की नौकरी, वेतन, दुर्घटना की स्थिति में मुआवजा और अन्य सुविधाओं के संबंध में अपनी जिम्मेदारियों से आंशिक छूट मिल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि नए प्रावधानों में हड़ताल को लेकर कड़े नियम बनाए गए हैं, जिससे श्रमिकों के विरोध दर्ज कराने के अधिकार सीमित हो सकते हैं। साथ ही श्रम कार्यालयों और श्रम न्यायालयों के अधिकारों में भी कटौती का प्रयास बताया जा रहा है, जिससे निर्णय प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका है। राजेश सिंघवी ने कहा कि मजदूर वर्ग ने अपने अधिकार लंबे संघर्ष के बाद हासिल किए थे, जिन्हें अब कमजोर किया जा रहा है। ऐसे में सीटू के कार्यकर्ता काला दिवस मनाकर इन लेबर कोड्स के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर में चौंकाने वाला साइबर फ्रॉड: डॉक्टर के पैन कार्ड पर 36 लोन, 4.37 करोड़ का खेल उजागर

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। पहचान की चोरी कर बड़े स्तर पर वित्तीय धोखाधड़ी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। SMS हॉस्पिटल से जुड़े एक 56 वर्षीय डॉक्टर के नाम और पैन नंबर का इस्तेमाल कर अज्ञात व्यक्ति ने करोड़ों रुपए के लोन उठा लिए। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ, जब डॉक्टर ने अपने नाम की CIBIL रिपोर्ट निकलवाई। जानकारी के अनुसार, बजाज नगर स्थित इंडियन बैंक शाखा के माध्यम से पैन नंबर पर क्रेडिट रिपोर्ट तैयार की गई थी। रिपोर्ट सामने आने पर डॉक्टर हैरान रह गए, क्योंकि उसमें दर्ज अधिकांश लोन उनके द्वारा कभी लिए ही नहीं गए थे।

रिपोर्ट में 36 लोन, कई बैंक शामिल

क्रेडिट रिपोर्ट में कुल 36 अलग-अलग लोन दर्ज पाए गए, जिनमें पर्सनल, बिजनेस, होम, गोल्ड और अन्य श्रेणियों के ऋण शामिल हैं। इन लोन की कुल राशि करीब 4.37 करोड़ रुपए बताई जा रही है। रिपोर्ट में एचडीएफसी, सिटी बैंक, केनेरा बैंक, एसबीआई, बीओबी, बजाज फाइनेंस जैसी प्रमुख संस्थाओं के नाम भी सामने आए हैं।

पहचान की जालसाजी, डिटेल भी अलग

डॉक्टर के मुताबिक, रिपोर्ट में दर्ज व्यक्तिगत जानकारियां भी कई जगह मेल नहीं खातीं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि किसी ने उनके पैन कार्ड का दुरुपयोग कर फर्जी प्रोफाइल तैयार की। संभावना जताई जा रही है कि जालसाज ने CIBIL प्लेटफॉर्म पर भी खुद को असली व्यक्ति बताकर एक्सेस हासिल किया और वहां से प्रक्रिया को आगे बढ़ाया।

ईएमआई नियमित, इसलिए नहीं हुआ संदेह

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन सभी लोन की किश्तें समय पर जमा कराई जा रही थीं। यही वजह रही कि बैंकिंग सिस्टम में लंबे समय तक किसी तरह की शंका नहीं हुई और पूरा मामला दबा रहा।

एफआईआर के बाद जांच तेज

पीड़ित डॉक्टर ने 27 मार्च को गांधीनगर थाना में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में यह मामला पैन नंबर के आधार पर समान नाम का उपयोग कर की गई धोखाधड़ी का प्रतीत हो रहा है। 30 मार्च को विभिन्न बैंकों को नोटिस जारी कर संबंधित लोन खातों की पूरी जानकारी मांगी गई है।

बैंकिंग और डेटा सुरक्षा पर उठे सवाल

यह मामला इस बात की ओर इशारा करता है कि पहचान संबंधी दस्तावेजों का दुरुपयोग कर किस तरह संगठित तरीके से वित्तीय अपराध किए जा सकते हैं।

अजमेर लोको वर्कशॉप में बड़ी उपलब्धि, मेमू व इलेक्ट्रिक लोको के पीओएच हेतु आधुनिक सुविधाओं का विस्तार कार्य पूरा किया गया

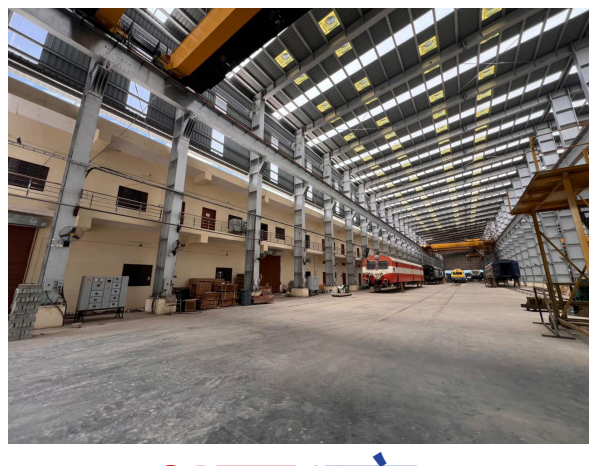

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अजमेर स्थित लोको वर्कशॉप में “मेमू एवं इलेक्ट्रिक लोको रोलिंग स्टॉक के पीरियॉडिक ओवरहॉलिंग (POH) के लिए सुविधाओं के विस्तार” से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। अनुरक्षण कार्यों में विस्तार का यह कार्य तय मानकों के अनुसार पूरा किया। इस कार्य के तहत वर्कशॉप में इन्फ्रास्ट्रक्चर का व्यापक विस्तार किया गया है। 60 मीटर चौड़े डीपीओएच शेड को 92 मीटर तक बढ़ाया गया है, जिसके साथ 5 ट्रैक भी तैयार किए गए हैं। इससे ट्रेनों के मेंटेनेंस कार्य में तेजी और दक्षता आएगी। इसके साथ ही, नए और मौजूदा शेड में 7 पिट्स का निर्माण किया गया है, जिससे तकनीकी जांच और मरम्मत कार्य अधिक व्यवस्थित तरीके से किया जा सकेगा। इस कार्य के तहत में बोगी क्लीनिंग एरिया और इंजन क्लीनिंग एरिया की भी विशेष प्रावधान किया गया है, जो साफ-सफाई और रखरखाव के स्तर को बेहतर बनाएगी। प्रशासनिक कार्यों में सुगमता के लिए शेड में कार्यालय भवनों का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही शेड के बाहर 2 नए ट्रक बिछाये गए हैं और उन्हें ट्रैवर्सर क्षेत्र तक विस्तारित किया गया है, जिससे रेल इंजनों और कोचों की आवाजाही अधिक सुगम होगी। विस्तारित शेड के अंत में एक कवर्ड पाथवे का निर्माण भी किया गया है, जो अधिक सुगमता प्रदान करेगा। इन कार्यों के पूरा होने से मेमू और इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के रखरखाव की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और परिचालन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

CRIME NEWS

गोगुन्दा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: हत्या के मामले में एक साल से फरार इनामी आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पुलिस थाना गोगुन्दा पुलिस ने हत्या के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। करीब एक साल से फरार आरोपी पर 2 हजार रुपए का इनाम घोषित था। थाना क्षेत्र में 2 मार्च 2025 को लालूराम और लक्ष्मण मोटरसाइकिल से गोगुन्दा से पडावली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कुछ लोगों ने उन्हें रोककर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में लालूराम की मौत हो गई, जबकि लक्ष्मण घायल हो गया। इस घटना के बाद प्रकरण संख्या 115/2025 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा और वृताधिकारी गोपाल चंदेल के सुपरविजन में थानाधिकारी श्याम सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस टीम ने आसूचना और तकनीकी सहयोग के आधार पर एक साल से फरार चल रहे आरोपी रमेश पुत्र मोतीलाल निवासी नाल फला, गवाड़ी (थाना गोगुन्दा) को गिरफ्तार किया। आरोपी को पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी शातिर प्रवृत्ति का है और वारदात के बाद से लगातार ठिकाने बदलकर फरारी काट रहा था। वह विभिन्न जिलों में मजदूरी कर अपनी पहचान छिपाता रहा। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम ने पिछले एक वर्ष में करीब 100 से अधिक स्थानों पर दबिश दी, लेकिन हर बार वह बच निकलता था।

टीम में ये रहे शामिल

कार्रवाई में थानाधिकारी श्याम सिंह के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल जालम सिंह, कांस्टेबल योगेन्द्र सैन, दीपेन्द्र स्वामी, रामस्वरूप, शिवसिंह और नारायण सिंह की विशेष भूमिका रही।

CRIME NEWS

गांजा तस्करी में एक साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पुलिस थाना सायरा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर अहम सफलता हासिल की है। आरोपी करीब एक वर्ष से पुलिस की पकड़ से दूर था। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा एवं वृताधिकारी गोपाल चंदेल के सुपरविजन में थानाधिकारी कानाराम सिरवी के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, गोगुन्दा थाना क्षेत्र में दर्ज प्रकरण संख्या 311/2024 (धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट) में वांछित आरोपी गोपाल की तलाश की जा रही थी। सायरा पुलिस ने उसे संदिग्ध अवस्था में डिटेन कर पूछताछ की, जिसमें उसने अहम खुलासा किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि करीब डेढ़ वर्ष पहले वह कोटड़ा के जोगीवाड़ क्षेत्र से अवैध गांजा लेकर गोगुन्दा की ओर आ रहा था। इसी दौरान पुलिस की आहट मिलने पर उसने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर डोली होटल से आगे एक निर्माणाधीन भवन के पास झाड़ियों में 7.656 किलोग्राम गांजा छिपा दिया था। इस घटना के बाद 14 सितंबर 2024 को गोगुन्दा थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसकी जांच जारी थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गोपाल पुत्र अमरा निवासी नाइयों का गुड़ा, गोगुन्दा के रूप में हुई है। पुलिस अब उससे मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त और नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं पर पूछताछ कर रही है।

टीम में शामिल रहे

कार्रवाई में थानाधिकारी कानाराम सिरवी के नेतृत्व में कांस्टेबल रूपाराम, हस्तीराम, भावेश और चालक कांस्टेबल मुकेश की भूमिका रही। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चल रहे अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है।

उदयपुर में 39 ईवी चार्जिंग स्टेशन बनेंगे, पीएम ई-ड्राइव योजना से प्रदेश को 81.12 करोड़ की मंजूरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नए वित्तीय वर्ष के साथ राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार ने प्रदेश में ईवी चार्जिंग नेटवर्क विकसित करने के लिए 81.12 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि से राज्यभर में 262 स्थानों पर कुल 591 पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे, जिनमें उदयपुर में 39 स्टेशन प्रस्तावित हैं। यह परियोजना राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के माध्यम से क्रियान्वित की जाएगी, जिसने इस योजना के तहत केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा था। मंजूरी मिलने के बाद अब प्रदेश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को मजबूती देने की दिशा में काम तेज होगा।

प्रमुख शहरों को प्राथमिकता

स्वीकृत योजना के तहत राजधानी जयपुर में सबसे अधिक 112 चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। इसके अलावा अजमेर में 49, उदयपुर में 39 और कोटा में 28 स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। वहीं, 34 स्टेशन राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर विकसित किए जाएंगे, जिससे लंबी दूरी तय करने वाले ईवी उपयोगकर्ताओं को भी सुविधा मिल सकेगी। इन चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना विभिन्न सरकारी विभागों की उपलब्ध भूमि पर की जाएगी, जिससे परियोजना के क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सके।

हरित ऊर्जा की दिशा में कदम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दे रही है। इसी क्रम में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करने की दिशा में अहम पहल मानी जा रही है।

प्रदूषण नियंत्रण में मिलेगी मदद

विशेषज्ञों का मानना है कि चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार से इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ेगा, जिससे वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। साथ ही आमजन को स्वच्छ और सस्ती परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। पीएम ई-ड्राइव योजना का उद्देश्य देशभर में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना, चार्जिंग सुविधाओं का विस्तार करना और ईवी मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को मजबूत बनाना है।

मेवाड़ प्रताप सेवा संस्थान की 'कार्यक्रम झलकियां' पुस्तक का विमोचन, सेवा कार्यों की दी जानकारी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सामाजिक सरोकारों में सक्रिय मेवाड़ प्रताप सेवा संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न सेवा गतिविधियों को समेटते हुए तैयार की गई पुस्तक 'कार्यक्रम झलकियां' का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर राहुल अग्रवाल (निदेशक, पैसिफिक मेडिकल यूनिवर्सिटी) ने पुस्तक का विमोचन करते हुए संस्थान के कार्यों की सराहना की। संस्थान के जिला सचिव राकेश पालीवाल ने बताया कि संस्थान वर्ष 1996 से लावारिस एवं असहाय परिजनों की अस्थियों का हरिद्वार में गंगा तट पर विधिवत विसर्जन करता आ रहा है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण के तहत बावड़ियों की सफाई और पौधारोपण जैसे अभियान भी नियमित रूप से संचालित किए जाते हैं। संस्थापक लाला सालवी ने पुस्तक की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रकाशन संस्था के सेवा कार्यों का दस्तावेज है और भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों को निरंतर विस्तार दिया जाएगा। विमोचनकर्ता राहुल अग्रवाल ने कहा कि अस्थियों के सामूहिक विसर्जन जैसे कार्य न केवल सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन हैं, बल्कि भारतीय परंपरा के अंतिम संस्कारों को सम्मानपूर्वक पूरा करने का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। उन्होंने संस्थान को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। संस्थान के जिला अध्यक्ष ओंकार जोशी, शेर सिंह राठौड़, सुनील अहीर, सुरेन्द्र सोनी, प्रीतम सिंह, भेरू भाई सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।संस्थान की ओर से जानकारी दी गई कि आगामी 11 अप्रैल को दो बसों के माध्यम से अस्थियां हरिद्वार ले जाई जाएंगी, जहां 13 अप्रैल को हिंदू रीति-रिवाज से पूजा-अर्चना कर सामूहिक विसर्जन किया जाएगा।

प्रदेश की राजनीति में सिकुड़ा उदयपुर का 'गुलाबी-कमल' महिला मोर्चा की सूची ने दिए संकेत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर की राजनीति में कटारियाजी की राजनीति के बाद के छायां काल में अब भाजपा की प्रदेश की पालिटिक्स कमजोर पड़ती नजर आ रही है। जयपुर की सियासत उदयपुर को नजरअंदाज करने से पहले रत्ती भर संकोच महसूस नहीं कर रही है। इसे प्रभाव की कमी कहें या पहुंच की या फिर नई बिसात कहकर आत्मसात कर लें यह अपनी अपनी च्वाइस है और खेमेबंदी के अनुसार देखने का नजरिया है। सत्ता के गलियारों में मजबूत पकड़ वाले गुलाबचंद कटारिया के आभामंडल के कमजोर पड़ते ही उदयपुर फाइल्स और उसके बाद के कालखंड में प्रदेश में प्रभाव कम होता और धार खोता हुआ दिखाई दे रहा है। भाजपा महिला मोर्चा राजस्थान की नई कार्यकारिणी ने साफ संकेत दे दिया कि मेवाड़ की आवाज अब वजनदार नहीं रही। अब वजनी लोग आवाजों को तय करने लग गए हैं। प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ की टीम में 48 पदाधिकारियों की लंबी सूची को देखते हुए आज लोकल भाजपाइयों की आंखें पथरा गई। उदयपुर का नाम ढूंढते ढूंढते केवल एक नाम ही नजर आया। संभाग जिसे कभी संगठन की रीढ़ कहा जाता था, वहां से प्रतिनिधित्व भी जीरा साबित होता नजर आया। बड़े पदों—प्रदेश महामंत्री, उपाध्यक्ष और मंत्री— की सूची में तो उदयपुर का नाम ढूंढे नहीं मिला। सात जिलों वाले संभाग को तीन नामों का प्रतिनिधित्व मिला। यह आप में मजबूत राजनीतिक संदेश है कि आप हाशिये पर हैं। उदयपुर की एडवोकेट सोनिका जैन को आईटी विभाग में सह-संयोजक का पद दिया गया है। यह पद कितना मजबूत है और कितना कॉस्मेटिक। यह चर्चा का विषय बन सकता है मगर सोनिका जैन की यहां उपस्थिति सशक्त रहने वाली है इसमें कोई संदेह नहीं है। अब सवाल यह है कि क्या उदयपुर की राजनीति अब केवल "आईटी सह-संयोजक" तक सिमट कर रह जाने वाली है। जिस शहर ने कभी संगठन को रणनीतिक दिशा दी, वह अब डिजिटल डेस्क तक ही सीमित रहने वाली है?? वास्तव में पूरी कहानी पार्टी व सत्ता के भीतर बदलते शक्ति संतुलन की भी बानगी है। एक समय था जब कटारिया की मौजूदगी में उदयपुर से कई चेहरे एक साथ प्रदेश राजनीति में जगह बनाते थे। अब स्थिति यह है कि पिंकी मांडावत जैसे नाम जो प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुकी हैं, और इस बार महामंत्री या बड़े पद की दावेदार मानी जा रही थीं। उनका नाम सूची से गायब हो जाता है। नाम कटना राजनीतिक सिग्नल है कि अब पैरवी और पकड़ दोनों कमजोर पड़ चुके हैं। सूचियां वहां बन रही हैं जहां की पर राजनीतिक बिसात में उदयपुर प्रायोटी पर है ही नहीं। या दूसरे शब्दों में कहें तो जिनके जिम्मे प्रायोटी तय करवाने की हैं वे खुद पदमोह में पड़कर टीमवर्क जैसी किसी प्रथा को कमजोर करने पर तुल गए हैं। नाम तो कई सारे चर्चा में थे लेकिन भीतरखाने जयपुर की लॉबिंग की राजनीति में उदयपुर के नेता अब उतने सक्रिय या प्रभावी नहीं रह गए हैं। राजनीति पहले जो संगठन के काम से चलती थी, अब नेटवर्क और नेरेटिव से संचालित होती दिख रही है। और नेरिटिव बिल्डिंग में उदयपुर पिछड़ता दिख रहा है। अनुभव बनाम विवाद, युवा बनाम वरिष्ठ—इन समीकरणों के बीच संगठन खुद उलझा हुआ साफ साफ नजर आ रहा है उदयपुर शहर में। असल चिंता यह नहीं कि इस बार कितने पद मिले, बल्कि यह है कि उदयपुर की राजनीतिक जमीन पार्टी के भीतर ही क्यों खिसक रही है। कौनसी टेक्टोनिक प्लेट है जो सरकती ही जा रही है। क्या नेतृत्व का संकट है? या फिर स्थानीय अंदरखाने की गुटबाजी का परिणाम? या फिर यह संकेत कि प्रदेश नेतृत्व अब नए भूगोल और नए चेहरों पर दांव लगा रहा है? साफ है, यह सिर्फ एक सूची नहीं, बल्कि आईना है—जिसमें उदयपुर की कमजोर पड़ती राजनीतिक पकड़ साफ नजर आती है। अगर समय रहते स्थानीय नेतृत्व ने आत्ममंथन नहीं किया तो वह दिन दूर नहीं जब उदयपुर की राजनीति सिर्फ संभावनाओं और पुरानी यादों की जुगाली तक सिमट कर रह जाएगी। मेवाड़ी आवाज सशक्त होना जरूरी है और पार्टी के खांटी नेता यही कह रहे हैं कि गुलाबी कमल हर हाल में खिलना ही चाहिए।

राष्ट्रीय लेखक सम्मेलन में उदयपुर के जुगनू, बोहरा, टांक की सशक्त अभिव्यक्ति

24 न्यूज अपडेट

साहित्यकार मंच सिरोही एवं ब्रह्मकुमारी संस्थान के साझे में आबूरोड स्थित मानसरोवर परिसर में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय लेखक सम्मेलन' का सफल आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में उदयपुर से इतिहासकार डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, साहित्यकार डॉ. हुसैनी बोहरा एवं नाट्य निर्देशक एवं रंगकर्मी सुनील टांक को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। सम्मेलन के प्रथम दिवस तीन सत्र आयोजित किए गए। उद्घाटन सत्र में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात आयोजित प्रथम वैचारिक सत्र में "वर्तमान परिस्थितियाँ और हिन्दी लेखन" विषय पर सारगर्भित चर्चा हुई। ब्रह्मकुमारी संस्थान के प्रतिनिधि गुलजारी भाई ने सम्मेलन के प्रति शुभकामनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि साहित्य और साहित्यकार का महत्व समाज में सदैव बना रहेगा। अन्य सत्रों के साथ प्रथम दिवस का समापन हुआ। दूसरे दिन के प्रथम सत्र में "हिन्दी नाटक और रंगमंच की वर्तमान चुनौतियाँ" विषय पर विचार-विमर्श किया गया। डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू ने कहा कि राजस्थान की नाट्य परंपरा अत्यंत समृद्ध है और 'गवरी' जैसी लोकनाट्य परंपरा इसकी जीवंत मिसाल है। उन्होंने उदयपुर में सर्वभाषायी नाटकों के आयोजन का भी उल्लेख किया। नाट्य निर्देशक एवं रंगकर्मी सुनील टांक ने अभिनय क्षेत्र की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि फिल्म और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव से रंगमंच प्रभावित हुआ है। उन्होंने दर्शकों की नाटक के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए नए प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

द्वितीय सत्र में "मीडिया और हिन्दी साहित्य" विषय पर चर्चा हुई। डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू ने साहित्य और मीडिया के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक मीडिया के साथ सामंजस्य स्थापित करना समय की आवश्यकता है। तभी हम साहित्य को बचा सकते है।

वहीं डॉ. हुसैनी बोहरा ने मीडिया और साहित्य के अंतर्संबंधों को स्पष्ट करते हुए बताया कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म ने रचनाकारों और पाठकों के बीच त्वरित संवाद को संभव बनाया है। मीडिया की भूमिका विकास में प्रारंभ से ही रही है, फिर चाहे प्रिंट मीडिया का युग हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का युग हो सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से आए साहित्यकारों, नाटककारों, कवियों एवं कवयित्रियों ने भी अपने विचार साझा किए। समापन सत्र में सभी अतिथियों एवं वक्ताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय लेखक सम्मेलन कार्यक्रम की संयोजक डॉ. विभा सक्सेना ने सम्मेलन की रूपरेखा एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी का आभार व्यक्त किया और सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

बाघपुरा दोहरे हत्याकांड में दो और आरोपी गिरफ्तार, वारदात में इस्तेमाल बाइक जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पुलिस थाना बाघपुरा पुलिस ने बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड में कार्रवाई तेज करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खेरवाड़ा) अंजना सुखवाल और वृताधिकारी विवेक सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी वेलाराम के नेतृत्व में टीम ने 31 मार्च 2026 को कार्रवाई करते हुए आरोपी दिनेश पुत्र धन्ना निवासी पालियाखेड़ा तथा पुष्कर उर्फ टस्कर पुत्र मांगीलाल निवासी सेलाणा निचला फला को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण संख्या 44/2026 में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है।

पहले भी 7 आरोपी गिरफ्तार, 3 नाबालिग डिटेन

इस मामले में पुलिस पहले ही 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि 3 बाल अपचारियों को डिटेन किया जा चुका है। घटना 13 मार्च 2026 की रात की है। प्रार्थी आशीष अपने रिश्तेदार भैरूलाल और मित्र सुखलाल उर्फ सुरेश के साथ मोटरसाइकिल से सेलाणा जा रहा था। रात करीब 9 बजे सेलाणा घाटी के पास अचानक 6-7 मोटरसाइकिलों पर सवार 10-12 लोगों ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि सभी हमलावर शराब के नशे में थे। मामूली कहासुनी के बाद अचानक हिंसा भड़क गई। लक्ष्मण ने सुरेश के सीने पर चाकू से वार कर दिया, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। इसके बाद अन्य आरोपियों ने भैरूलाल और आशीष पर भी हमला कर दिया। प्रभुलाल ने टूटी बीयर बोतल से भैरूलाल के पेट पर वार किया, जबकि अन्य हमलावरों ने तलवार, लाठियों और चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला किया। जान बचाने के लिए भाग रहे आशीष पर भी तलवार से हमला किया गया। हमले के दौरान बीच-बचाव के लिए आए सुमित को भी आरोपियों ने मोटरसाइकिल से टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को झाड़ोल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने सुखलाल उर्फ सुरेश और भैरूलाल को मृत घोषित कर दिया, जबकि सुमित को गंभीर हालत में उदयपुर रेफर किया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में शेष आरोपियों की तलाश जारी है और पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच की जा रही है।

कार्रवाई में शामिल टीम

इस ऑपरेशन में थानाधिकारी वेलाराम के साथ हेड कांस्टेबल गोपाल, कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह, राजेन्द्र कुमार, महेन्द्र सिंह, सचिन और बृजकुमार की अहम भूमिका रही।

बावलवाड़ा पुलिस की कार्रवाईः लंबे समय से फरार स्थायी वारंटी शहजाद खान गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पुलिस थाना बावलवाड़ा पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार कर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खेरवाड़ा) अंजना सुखवाल एवं वृताधिकारी राजीव राहर के सुपरविजन में थानाधिकारी गणपत सिंह के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने आसूचना और तकनीकी सहयोग के आधार पर आरोपी शहजाद खान को सामीतेड़ (थाना खेरवाड़ा) क्षेत्र से गिरफ्तार किया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और अपनी पहचान छिपाने के लिए भेष बदलकर गुजरात और मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों पर छिपता फिर रहा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शहजाद पुत्र शैर मोहम्मद निवासी सामीतेड़, थाना खेरवाड़ा, जिला उदयपुर के रूप में हुई है। कार्रवाई में थानाधिकारी गणपत सिंह के साथ हेड कांस्टेबल विपिन कुमार, कांस्टेबल शान्तिलाल, गजराज, शिवप्रकाश, चालक कांस्टेबल दिनेश सिंह तथा साइबर सेल उदयपुर के कांस्टेबल लोकेश रायकवाल की अहम भूमिका रही। पुलिस की इस कार्रवाई को लंबे समय से फरार आरोपियों के खिलाफ चल रहे अभियान की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

श्री मंशापूर्ण हनुमान जन्मोत्सव की तैयारीः 2 अप्रैल को मनेगा उत्सव, 12 फीट के बाहुबली खुरपे से तैयार हो रही महाप्रसादी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर और गुलाब बाग रोड स्थित हेमराज राष्ट्रीय व्यायामशाला में हनुमान जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस वर्ष 2 अप्रैल को आयोजित होने वाले मुख्य जन्मोत्सव पर्व से पूर्व पूरे मार्ग को आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। घंटाघर से लेकर व्यायामशाला तक का क्षेत्र रंगारंग रोशनी में नहाया हुआ है, जहाँ देर रात तक भक्तों की चहल-पहल और जय श्रीराम के जयकारे गूंज रहे हैं।

हनुमान मित्र मंडल के संरक्षक भूपेश मेहता ओर अध्यक्ष राजेश तोषनीवाल ने बताया कि उत्सव के उपलक्ष्य में 1 अप्रैल को सुबह ठीक 7:15 बजे अखंड रामायण पाठ शुरू होगा, जिसमें विश्व शांति के लिए आहुतियां दी जाएंगी। वहीं, सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत रामलीला के मंच पर श्रीधाम वृन्दावन मथुरा के स्वामी मुकेश चन्द्र ठाकुर के निर्देशन में चल रही रामलीला में कलाकारों द्वारा अहिल्या उद्धार और अमराई नगर पुष्प वर्षा जैसे प्रसंगों का सजीव मंचन किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बाहुबली खुरपे और 30 क्विंटल लकड़ियों का उपयोग

मीडिया प्रभारी सुनील झंवर ने बताया कि आयोजन की सबसे खास बात यहाँ बनने वाली महाप्रसादी है। प्रवक्ता प्रवीण बैरागी के अनुसार, इस बार गैस की कमी के चलते 25 से 30 क्विंटल लकड़ियों का उपयोग कर प्रसादी पकाई जा रही है। जेसीबी से खुदाई कर बनाई गई 5 विशाल भट्टियों पर करीब 12 फीट लंबे 'बाहुबली खुरपे' से भोजन तैयार किया जा रहा है। इस महाप्रसादी का लाभ 30 से 35 हजार भक्त लेंगे। मंडल के पदाधिकारियों ने सभी भक्तों से विशेष अपील की है कि वे प्रसादी ग्रहण करते समय उसे 'जूठा न छोड़ें'।

भक्तों की टोली संभाल रही व्यवस्थाएं

उत्सव को सफल बनाने और सुचारू व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अभिषेक श्रीमाल, सुमित अजमेरा, अंकित भावसार और नवीन धाबाई सहित कई कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। प्रभु भक्तों की अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं जो यातायात, जल सेवा और महाप्रसादी वितरण की कमान संभालेंगी। श्री मंशापूर्ण हनुमान जी के लिए बदनोर की हवेली स्कूल में 101 कारीगरों द्वारा पूर्ण सात्विकता के साथ 56 भोग भी तैयार किया जा रहा है, जिसे जन्मोत्सव के दिन धराया जाएगा।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।